भजन करो भक्तों हरि विष्णु का

एक हाथ में चक्क्र सुदर्शन, दूजे में गदा विराजे,
करे शेष नाग की सवारी, श्री सागर आसन लागे ॥,,
*पूजन करो भक्तों,,, ॥, हरि विष्णु का,
भजन करो भक्तों, हरि विष्णु का" ॥
(पूजन करो भक्तों, हरि विष्णु का,
भजन करो भक्तों, हरि विष्णु का)

विष्णु जी की पूजा होती, जिसके भवन में*,
"लक्ष्मी का वास होता, उसके आँगन में" ।
साँझ सवेरे भोग, जो भी लगाए*,
"अन्न धन सब सुख, प्रभु जी से पाए" ।
*हवन करो भक्तों,,, ॥ हरि विष्णु का,
पूजन करो भक्तों, हरि विष्णु का,,,,
(पूजन करो भक्तों, हरि विष्णु का,
भजन करो भक्तों, हरि विष्णु का)

विष्णु है रूप प्रभु, राम और श्याम के*,
"सृष्टि के मालिक यही, स्वामी चारों धाम के" ।
जब जब भक्त, पुकारे प्रभु आए*,
"होलिका जलाए, प्रह्लाद को बचाए" ।
*नमन करे अनु/पंकज,,, ॥ हरि विष्णु का,
पूजन करो भक्तों, हरि विष्णु का,,,,
(पूजन करो भक्तों, हरि विष्णु का,
भजन करो भक्तों, हरि विष्णु का)
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18994/title/bhajan-karo-bhakto-hari-vishnu-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |